झारखण्ड सरकार

गोकुल ग्राम विकास योजना:–

इसके अन्तर्गत 4–5 ग्रामों के क्लस्टर में दूध उत्पादक व बिक्री व्यवस्था के लिए आधारभूत संरचनाओं का निर्माण, चारागाह का विकास, दूध उत्पादन हेतु फीड सप्लीमेंट वितरण, सघन प्रशिक्षण तथा गोबर एवं गौमूत्र से जैविक खाद उत्पादन प्रशिक्षण हेतु संरचनाओं का निर्माण की योजना कार्यान्वित की जाती है।

गोकुल ग्राम विकास योजना के कार्यकलाप:–

इसके अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों को इस परिकल्पना के साथ कार्यान्वित किया जा रहा है कि सभी गांव स्वच्छ, सुन्दर, सुविधायुक्त तथा समृद्ध ग्राम के रूप में विकसित हों।

- चयनित ग्रामों में उपलब्ध दुग्ध उत्पादन से संबंधित आधारभूत सुविधाओं तथा आवश्यकताओं का सर्वेक्षण।
- प्रत्येक क्लस्टर में सामुदायिक भवन का निर्माण।
- प्रत्येक 4–5 ग्ारमों के क्लस्टर पर दुग्ध संग्रहण एवं बिक्री हेतु बल्क कूलर केन्द्र तथा सामुदायिक मिल्कींग पार्लर की स्थापना।
- प्रत्येक क्लस्टर में पशु शेड का निर्माण।
- प्रत्येक ग्राम में गोबर तथा गौमूत्र से खाद व कीटनाशक बनाने संबंधी संरचानाओं का निर्माण।
- पशुओं के पानी पीने के लिए सामुदायिक हौदा का निर्माण।
- प्रत्येक 3 माह पर क्लस्टर स्तर पर पशु स्वास्थ्य परीक्षण एवं डीवर्मींग शिविर का आयोजन तथा दुधारू पशुओं के लिए ब्रीडींग तथा स्वास्थवद्र्धक औषधि एवं हाईजीन कीट का वितरण।
- प्रत्येक क्लस्टर में सामुदायिक चारागाह का विकास।
- प्रत्येक क्लस्टर केन्द्रों में ओडियो विजुअल की व्यवस्था।
- ग्रामीण पशुपालकों के लिये अल्प प्रशिक्षण–सह–जागरूकता शिविर का आयोजन।
- ग्ाम स्तर पर दुग्ध उत्पादन कार्यक्रम से संबंधित अन्य कार्यक्रमों का कार्यान्वयन।